☆ The fundamental difference in the political philosophy of 'Plato' and 'Aristotle'.

- 'Foster's statement is' → "Aristole is the greatest Platoist and no other thinker has had the greatest influence on Pluto as much as he had on Pluto."
- Sebaine has also written, "Every page of his philosophy writer bears witness to his relationship with the plates. Similarly Davl has also said that the ideas which have been suggested by plato have been developed as signs or illustration. Aristotle has done the task of discussing them only.

But at the same time it is also a fact that despite 20 years in Plato's academy and in close contact with him personally, Aristotle was not blind to his guru. The two thinkers had similarities in many things, but Aristotle's ideology is fundamentally different from plato's in many respects and that is why plato has been severally criticized by Aristotle on many things which is described below.

1) Ruler of the ideal state :→ Plato's ideal state is based on justice which is almost attributable to human virtues. Aristotle's ideal state is the constitutional ruler. The ruler of plato is a philosopher who is in power. Aristotle does not accept the autocratic rule of the philosophical

Scanned with Cam

state. He considers law as the ultimate sovereign in the superior state. Aristotle believes that even if the ruler is the most intelligent, he cannot be equated with the law.

2) Family and property :→ The idealist ~~Property~~ Plato overthrows the ancient notion of family system and wealth and instead replaces the revolutionary communist doctrine by arming individual property and family, Aristotle had a practical and realistic view. He strongly opposed this concept. He said that wealth expresses the personality of man and his members develop. The family will be destroyed and its development will be blocked after the communism of Cyrio. Aristotle was thus more realistic than Plato.

3) Comparitive Ability of Women and Men – While wandering in Kalpana loka, Plato thought that there is no difference in terms of abilities between women and men. He made both of them equal in all things. Aristotle did not agree with Plato's view because of his realistic approach. He criticized her, saying that men have courage to come and give orders. Women are soft and courageous by nature. They are more able to obey.

Scanned with Cam

4) Status of citizens:- The idealist Plato has disregarded the general expressions in the imagination of his ideal state. His person in the vision of ideal society is only a means, a provable state. Therefore, under his rule, the general person was not given corpus. he was pushed into the productive class. Aristotle, being a realist, knew that if the common citizen was disregarded, then in the future + ~~Na~~ the citizen would struggle with the rulers, so he re-stabilished his existence and importance.

Scanned with Cam

प्लेटो और अरस्तू के राजनीतिक दर्शन मे आधारभूत अंतर -

→ फोस्टर का कथन है "अरस्तू सबसे बडा प्लेटोवादी है और प्लेटो का जितना गहरा प्रभाव उसके ऊपर पडा, उतना उसके अतिरिक्त शायद किसी भी दूसरे विचारक पर किसी दूसरे के विचार का नही पडा।"

→ सेबाइन ने भी लिखा है, "उसके दार्शनिक लेखक का प्रत्येक पृष्ठ प्लेटो के साथ उसके संबंध का साक्षी है।" इसी प्रकार डर्निंग ने भी कहा है, प्लेटो द्वारा जिन विचारों का सुझाव संकेत या दृष्टांत के रूप मे विकसित किया गया है, उन्हीं की विवेचना करने का कार्य अरस्तू ने किया है।"

परंतु इसके साथ ही यह भी एक तथ्य है कि २० वर्षो तक प्लेटो की अकादमी में और व्यक्तिगत रूप से उसके सर्वाधिक निकट संपर्क में रहने के बावजूद अरस्तू अपने गुरु का अंधभक्त नही था। दोनों विचारकों मे अनेक बातों मे समानता तो थी, किन्तु अरस्तू की विचारधारा अनेक बातोंके संबंध मे मूलभूत रूप से प्लेटो से भिन्न है और इसी कारण अरस्तू के द्वारा प्लेटो की कई बातो पर कटु आलोचना की गई है जिसका वर्णन निम्नलिखित है।

1) आदर्श राज्य के शासक — प्लेटो का आदर्श राज्य न्याय पर आधारित है, जिसका लगाव मनुष्यो के सद्गुणों से है। अरस्तू का आदर्श राज्य संवैधानिक शासन है प्लेटो का शासक दार्शनिक है जो सर्वसत्तासम्पन्न है। अरस्तू दार्शनिक राजा के निरंकुश शासन को स्वीकार नही करता वह श्रेष्ठ राज्य मे कानून को ही अंतिम संप्रभु मानता है अरस्तू की धारणा है कि चाहे शासक सबसे अधिक बुद्धिमान ही क्यों न हो, उसे कानून के समकक्ष नही मानसकते

Scanned with Can

२) परिवार एवं संपत्ति – आदर्शवादी प्लेटो ने परिवार व्यवस्था और संपत्ति की प्राचीन धारणा को उखाड़ कर फेंक दिया और उसके स्थान पर क्रांतिकारी साम्यवादी सिद्धांत को प्रतिपादित करते हुए वैयक्तिक संपत्ति और परिवार को सामूहिक जामा पहनाया अरस्तू व्यवहारिक और यथार्थवादी दृष्टिकोण रखता था। उसने इस अवधारणा का तीव्र विरोध किया। उसने कहा कि संपत्ति से मनुष्य के व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति होती है और उसके सद्गुणों का विकास होता है। स्त्रियों का साम्यवाद हो जाने पर परिवार नष्ट हो जाएगा और उसका विकास अवरुद्ध हो जाएगा। अरस्तू इस भांति प्लेटो से अधिक यथार्थवादी था।

३) स्त्रियों और पुरुषों की तुलनात्मक क्षमता – कल्पना लोक में विचरते हुए प्लेटो ने सोचा कि स्त्री-पुरुषों मे क्षमताओं की दृष्टि से कोई भेद नही है। उसने सभी बातों मे दोनो को समान बना दिया। अरस्तू यथार्थवादी दृष्टिकोण रखने के कारण प्लेटो के इस विचार से सहमत नही हुआ। उसने उसकी आलोचना करते हुए कहा कि पुरुष में साहस शौर्य और आदेश देने के गुण अधिक होते हैं। स्त्रियाँ स्वभाव से कोमल और साहसहीन होती हैं। वे आज्ञा पालन करने में अधिक सक्षम होती हैं।

४) नागरिको की स्थिति :— आदर्शवादी प्लेटो ने अपने आदर्श राज्य की कल्पना मे सामान्य व्यक्ति की अवहेलना की है। उसका व्यक्ति आदर्श समाज की परिकल्पना में केवल एक साधन है, साध्य तो राज्य है। इसलिए उसके शासन में सामान्य व्यक्ति को कोई पद नही दिया गया, उसे उत्पादक वर्ग मे ढकेल दिया गया। अरस्तू यथार्थवादी होने के नाते जानता था कि यदि सामान्य नागरिक की अवहेलना की गई, तो भविष्य में नागरिकों को शासकों मे संघर्ष होगा, अतः उसने उसके अस्तित्व और महत्ता की पुनः प्रतिष्ठा की।

Scanned with Cam